Roll No. .....
Signature of Invigilator .....

Paper Code
MAS-404

पतंजलि विश्वविद्यालय

University of Patanjali

Examination June – 2022

एम.ए. संस्कृत साहित्य, सत्रार्द्ध : चतुर्थ
संस्कृत, प्रश्न-पत्र : चतुर्थ
महाकाव्यम्

Time: 3 Hours **Max. Marks: 70**

नोट : यह प्रश्नपत्र सत्तर (70) अंकों का है जो दो (02) खंडों क, तथा ख में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड में दिए गए विस्तृत निर्देशों के अनुसार ही प्रश्नों को हल करना है।

खण्ड-क
(दीर्घ-उत्तरीय प्रश्न)

नोट : खण्ड 'क' में पांच (05) दीर्घ उत्तरीय प्रश्न दिए हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए पंद्रह अंक निर्धारित हैं। किन्हीं **तीन** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। **(3×15=45)**

1. सौन्दरनन्दमहाकाव्यस्य त्रयोदशसर्गस्य इन्द्रियजयविषयं विस्तरेण लिखन्तु।
2. शरण्यंपुण्यसाधूनामरण्यं नार्मदं यथा।
   विख्यातमुत्तराखण्डं मण्डितं सिद्धमण्डलैः।। - श्लोकोऽयं किं ज्ञापयति? योगिनां जीवने उत्तराखण्डस्य, हिमालयस्य, गङ्गायाश्च महत्वं किम्?
3. एतावच्छीलमित्युक्तमाचारोऽयं समासतः।
   अस्य नाशेन नैव स्यात् प्रव्रज्या न गृहस्थता।। - इति श्लोकस्य सप्रसङ्ग व्याख्यां कुर्वन्तु, शीलं च वर्णयन्तु।
4. श्रीभक्तफूलसिंहस्य लोकोपकारित्वं सविस्तारं साध्यताम्।
5. दयानन्ददिग्विजयमहाकाव्यस्य रचनाकारस्य परिचयं दत्त्वा महर्षिदयानन्दस्य विषये विस्तरेण लिखन्तु।

खण्ड-ख
(लघु-उत्तरीय प्रश्न)

नोट : खण्ड 'ख' में सात (07) लघु उत्तरीय प्रश्न दिए गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए पांच अंक निर्धारित हैं। किन्हीं **पांच** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। **(5×5=25)**

6. भेतव्यं न तथा शत्रोर्नाग्निनेनहिर्न चाशनैः।
   इन्द्रियेभ्यो यथा स्वेभ्यस्तैरजस्रं हि हन्यते।। - अस्य श्लोकस्य भावार्थो लेखनीयः।
7. सौन्दरनन्दमहाकाव्यस्य रचयितुः परिचयं दीयताम्।
8. श्रीभक्तफुलसिंहस्य गोरक्षाकार्यं प्रकाशयन्तु।
9. दुर्लभं दैवतौ लब्ध्वा दीनो द्रव्यनिधिं यथा।
   आननन्द तथा पुत्रं नररत्नं द्विजेश्वरः।। - अस्य श्लोकस्य भावं प्रकाशयन्तु।
10. "हरिजनोद्धारः" अस्मिन् विषये लिखन्तु।
11. दयानन्ददिग्विजय-महाकाव्यस्य तृतीयसर्गस्य सारं लिखन्तु।
12. सौन्दरनंदमहाकाव्यतः श्लोकद्वयं लिखन्तु।

----------x----------